

दौसा जिले में मानव संसाधन विकास का एक भौगोलिक अध्ययन

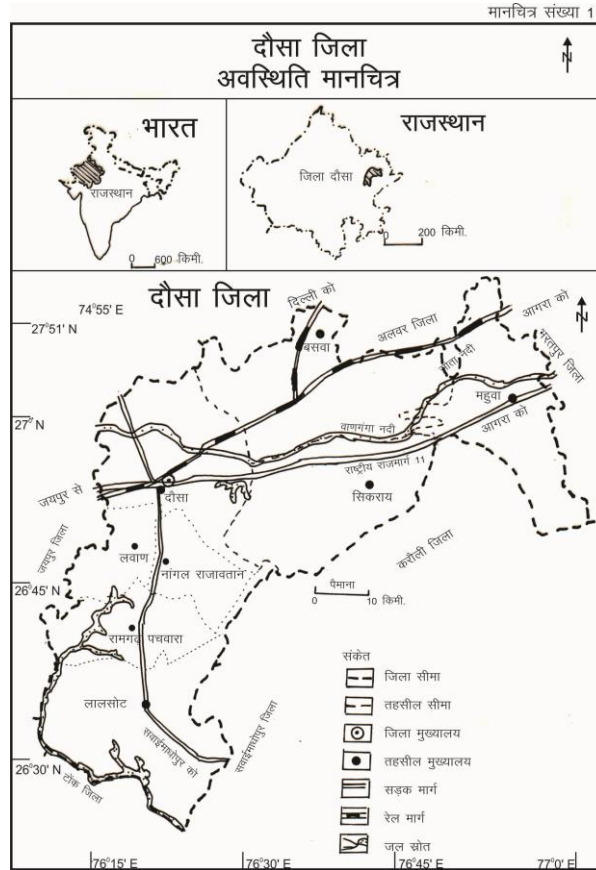
शिवशंकर मीना*

प्रस्तावना

किसी भी भौगोलिक क्षेत्र के मानव संसाधन विकास में विभिन्न कारक अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। जिसमें मानव संसाधन, भूमि संसाधन एवं जल संसाधन आदि अधिक सहयोगात्मक रूप से प्रभाव डालते हैं। दौसा जिले में मानव संसाधन विकास की क्या विशेषताएं हैं तथा यह किन-किन तहसीलों में अधिक पायी जाती और क्यों विकास में विषमता प्रदान करती है इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, दौसा जिले में मानव संसाधन विकास का एक भौगोलिक अध्ययन करने का प्रयास है।

अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र दौसा जिले की भौगोलिक स्थिति $26^{\circ} 23'$ उत्तर से $27^{\circ} 14'$ उत्तर तक तथा देशांतरीय $76^{\circ}08'$ पूर्वी से $77^{\circ}03'$ पूर्वी के मध्य है। 2011 के अनुसार 8 तहसीलों से युक्त इस जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 21, 23, 148 व बाणगंगा नदी, मोरेल नदी की उपस्थिति उल्लेखनीय है। जो मानचित्र-1 में दर्शाया गया है।



* शोधार्थी एवं सहायक आचार्य (भूगोल) स्वर्गीय पंडित नवल किशोर शर्मा राजकीय महाविद्यालय, दौसा।

अध्ययन उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मानव संसाधन विकास अध्ययन के निम्न उद्देश्य रहे हैं:-

- मानव संसाधन विकास का अध्ययन करना।
- तहसीलवार मानव संसाधन विकास स्तर ज्ञात करना।
- मानव संसाधन विकास स्तर को मापना।

परिकल्पनायें

प्रस्तुत अध्ययन की परिकल्पनाएं निम्न रही हैं:-

- अध्ययन क्षेत्र मानव संसाधन विकास की अनुकूल भौगोलिक दशाओं को पूर्ण करता है।
- मानव संसाधन विकास स्तर में विषमता रहती है।
- मानव संसाधन विकास में विभिन्न आर्थिक कारक सहायक रहते हैं।

आंकड़ों का स्रोत

प्रस्तुत शोध अध्ययन में द्वितीयक उपयोगी आंकड़ों का उपयोग किया गया है। यह आँकड़े सरकारी संस्थानों से प्राप्त किये हैं जो इस प्रकार हैं:-

- जनगणना विभाग कार्य निदेशालय राजस्थान, जयपुर।
- दौसा जिला स्तरीय प्रतिवेदन एवं प्रकाशन आदि।
- आर्थिक एवं सांख्यिकीय निदेशालय राजस्थान, जयपुर।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में मानव संसाधन विकास का एक भौगोलिक अध्ययन हेतु वर्ष 2017 तक के आँकड़ों के क्षेत्र एवं प्रतिशत संकलित किया है। जिसके अन्तर्गत सूचकांकों का चयन कर सांख्यिकीय विधि द्वारा विकास मापन गणना प्राप्त कर तालिका-1 में प्रदर्शित किया है तथा समक श्रेणी के अनुसार मानव विकास स्तर मापन गणना को ज्ञात किया गया है।

मानव संसाधन विकास का अध्ययन

दौसा जिले में मानव संसाधन विकास के अध्ययन के चुने गये विभिन्न चर मूल्यों के चयन की सामान्य विशेषता प्रतिशत संख्या सूचकांक के रूप में निम्न का चयन किया है:-

- X₁. दो फसली क्षेत्र (प्रतिशत में)
- X₂. उपयोगी कुओं की संख्या (प्रतिशत में)
- X₃. उपयोगी तालाबों की संख्या (प्रतिशत में)
- X₄. विशुद्ध सिंचित क्षेत्र
- X₅. बिजली संचालित नलकूप (प्रतिशत में)
- X₆. कुल सिंचित क्षेत्र (प्रतिशत में)
- X₇. सामान्य वर्षा (प्रतिशत में)
- X₈. डीजल संचालित क्षेत्र (प्रतिशत में)

उक्त सूचकांकों को मुख्य आधार मानकर दौसा जिले के मानव संसाधन विकास का स्तर मापन प्रमाणीकरण विधि द्वारा प्राप्त किया गया है। यहाँ मानक विचलन कार्ल पियर्सन महोदय की लघुरीति के अनुसार प्राप्त किये गये हैं।

सूचकांको का चुनाव

प्रस्तुत शोध कार्य में दौसा जिले के मानव संसाधन विकास को मापने हेतु वर्ष 2017 के आधार पर चयनित सूचकांकों का निर्धारण कर सांख्यिकीय विधियों द्वारा मापन कर तहसील विकास स्तर को जिले में तीन श्रेणियों में रखा गया है।

चयनित कुल 8 सूचकांकों को व्यक्तिगत श्रेणी में व्यवस्थित कर मानक विचलन कार्ल पियर्सन महोदय की लघु रीति के अनुसार प्राप्त किये हैं:-

प्रथम चरण

$$\bar{x} = \frac{\sum x}{N}$$

\bar{x} व्यक्तिगत संमक श्रेणी का समान्तर माध्य

$\sum x$ व्यक्तिगत संमक श्रेणी का योग

N व्यक्तिगत संमक श्रेणी की कुल संख्या

द्वितीय चरण

इस चरण में कार्ल पियर्सन महोदय के प्रथम सूत्र का उपयोग किया है:-

$$\sigma = \sqrt{\frac{\sum d^2}{N} - \left(\frac{\sum dx}{N}\right)^2}$$

σ = मानक विचलन

$\sum d^2$ विचलनों के वर्गों का योग

$\sum dx$ विचलनों मूल्यों का योग

तृतीय चरण

तृतीय चरण में मानक विचलन स्तर मूल्य प्राप्त किया है। इसके लिए निम्न सूत्र का उपयोग किया गया है।

$$\text{मानकित मूल्य} = \frac{x - \bar{x}}{\sigma}$$

चतुर्थ चरण

इसके सकल मूल्यों का अन्तर्गत में तहसीलवार सूचकांकों का योग (+) धनात्मक या (-) ऋणात्मक में प्राप्त किया गया है।

पंचम चरण

इस चरण में सामूहिक प्राप्त सूचकांक ज्ञात करने के लिए सकल में सूचकांक संख्या (8) का भाग किया गया है। जो भागफल प्राप्त हुए हैं वहीं सामूहिक सूचकांक है प्रथम चरण से पंचम चरण तक तालिका-1 में प्रदर्शित है।

सामूहिक सूचकांक ज्ञात करना

अध्ययन दौसा जिले की प्रत्येक तहसील के सभी 8 सूचकांकों के प्रमापीकरण के मान का योग/सूचकांकों की संख्या सामूहिक सूचकांक तालिका 1 के अंतिम कालम में + और - में दिये गये है। उपर्युक्त विधि द्वारा परिकलित परिणामों को तालिका 2 में प्रदर्शित किया गया है।

संसाधन विकास स्तर मापन

अध्ययन क्षेत्र दौसा जिले में मानव संसाधन विकास में विषमता पायी गई है चयनित सूचकांकों के आधार पर सांख्यिकीय विधियों द्वारा प्राप्त मानों के अनुसार मानव संसाधन विकास का श्रेणी अनुसार अध्ययन किया गया है मानव संसाधन विकास मापन का अध्ययन चार श्रेणियों में किया गया है जो इस प्रकार है:-

तालिका 1: तहसीलवार मानव संसाधन विकास मापन वर्ष 2017

तहसील	X ₁	X ₂	X ₃	X ₄	X ₅	X ₆	X ₇	X ₈	सकल मूल्य	सामूहिक सूचकांक
बसवा	21.06	18.54	15.38	14.60	4.82	14.60	74.70	2.50	-0.14	-0.01
	-1.22	+1.28	+0.31	+0.40	-0.85	0.40	-0.04	-0.82		
दौसा	4.50	13.66	28.20	10.50	1.36	10.50	69.10	3.32	+0.36	+0.04
	+1.14	+0.24	+1.69	-0.38	-1.24	-0.38	-0.60	-0.83		
लालसोट	14.46	17.34	10.25	17.82	21.28	17.82	92.80	15.40	+6.05	+0.76
	-0.28	+1.02	-0.24	+1.01	+1.54	+1.01	+1.76	+0.23		
महुवा	21.72	12.30	25.65	19.86	19.93	19.86	64.10	35.48	+4.48	+0.56
	-1.31	-0.04	+1.41	+1.40	+0.83	+1.40	-1.10	+1.89		
लवाण	3.48	5.41	-	4.18	11.82	4.18	68.20	0.70	-6.45	-0.80
	+1.28	-1.50	-1.34	-1.58	-0.07	-1.58	-0.69	-0.97		
नांगल राजवतान	5.23	7.23	7.70	5.50	1.54	5.50	71.60	0.62	-5.77	-0.72
	+1.03	-1.11	-0.51	-1.33	-1.22	-1.33	-0.35	-0.95		
रामगढ़ पचवारा	11.50	8.43	5.12	11.82	12.08	11.82	90.10	20.94	+1.00	+0.12
	+0.14	-0.86	-0.79	-0.12	-0.04	-0.12	+1.49	+0.69		
सिकराय	18.05	17.09	7.70	5.72	22.12	15.72	70.60	22.04	-1.09	-0.13
	-0.79	+0.97	-0.51	-1.29	+1.07	-1.29	-0.45	+0.78		
\bar{x}	12.50	12.50	12.50	12.50	12.50	12.50	75.15	12.50		
$\sigma =$	7.00	4.71	9.28	5.24	8-94	5.24	10.02	12.15		

शोधार्थी द्वारा प्राप्त आंकड़ों से आंकलित।

अति निम्न श्रेणी विकास श्रेणी (-0.30 से अधिक सामूहिक सूचकांक)- इसके अन्तर्गत तहसील, नांगल राजवतान तहसील तथा लवाण तहसील शामिल है। इनका सामूहिक सूचकांक -0.72 व -0.80, रहा है यहाँ पर मानव विकास की आवश्यक सुविधाओं का अभाव रहा है जिन्होंने विकास स्तर को ऋणात्मक श्रेणी प्रदान की है मानव संसाधन विकास स्तर के लिए सूचकांकों में अधिकांश का मान ऋणात्मक श्रेणी में शामिल रहे है। अतः प्राप्त परिणामों के अध्ययन से स्पष्ट है कि यहां मानव संसाधन विकास की बहुत आवश्यक है।

निम्न विकास श्रेणी (-0.01 से -0.30 तथा सामूहिक सूचकांक) इस श्रेणी के अन्तर्गत दौसा जिले की तीन तहसीलें शामिल हुई है जिसके तहत बसवा तहसील, दौसा तहसील तथा सिकराय तहसील शामिल रही है। यहां इन का सामूहिक सूचकांक क्रमशः -0.01, -0.04 तथा 0.13 रहा है। यहां अपेक्षाकृत सूचकांकों को की ऋणात्मक प्रवृत्ति कम स्तर की रही है। जिन्हें नियोजित कर मानव संसाधन के लिए धनात्मक किया जा सकता है।

मध्यम विकास स्तर (+0.13 से कम सामूहिक सूचकांक)

इसके अन्तर्गत केवल मात्र रामगढ़ पचवारा तहसील शामिल है। इनका सामूहिक सूचकांक +0.12 प्राप्त हुआ है। इस तहसील में मानव संसाधन विकास के सूचकांक धनात्मक दशकों को इंगित करता है। तथा यहां विकास का स्तर मध्यम श्रेणी में शामिल हुआ है। यह तालिका- 2 से स्पष्ट है।

तालिका 2: दौसा जिला मानव संसाधन विकास मापन 2017

क्र.सं.	मानव संसाधन विकास श्रेणी	सामूहिक सूचकांक	शामिल तहसील
1.	उच्च	+0.76, +0.56	महवा, लालसोट
2.	मध्यम	+0.12	रामगढ पंचवारा
3.	निम्न	-0.01, 0.04, -0.13	बसवा, दौसा, सिकराय
4.	अति निम्न	-0.72, -0.80	नांगल राजावतान, लवाण

उच्च मानव संसाधन विकास श्रेणी (+0.30 से अधिक सामूहिक सूचकांक)

इसके अन्तर्गत तहसील लालसोट, महवा शामिल है, इन तहसीलों का सामूहिक सूचकांक क्रमशः +0.76 व +0.56 प्राप्त हुआ है। यहाँ मानव संसाधन विकास के लिए पर्याप्त सुविधाओं का विकास हुआ है।

तालिका 2 के अध्ययन से यह तथ्य भी सामने उभर कर आया है कि मानव संसाधन विकास के परिणाम में विभिन्न सूचकांकों को स्थानीय भौगोलिक दशाओं ने प्रभावित किया है यहाँ विकास में सहायक दशाओं में अन्य दशाये भौगोलिक दशाओं की तुलना में कम है। जिनको एक गति देने की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. Anderson, J.R., (1976): Landuse Landcover Changes- A Framework for Monitoring, Journal of Research, U.S., Geological Survey, Volume 5, No. 3, 143-153
2. Lillesand, T.M. & Keifer, R.W., (1979) : Remote Sensing and Image Interpretation, New York: John Wiley & Sons, Inc, 1-10
3. शर्मा, एच.एस., शर्मा एम.एल. (2006) : राजस्थान का भूगोल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
4. रावत श्रीमन् (2011) : राजस्थान में जनांककीय अध्ययन, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, भूगोल विभाग, राज. विश्वविद्यालय, जयपुर।
5. अन्नु (2010) : झुंझुनू जिले में समन्वित क्षेत्रीय ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवं नियोजन अप्रकाशित शोध प्रबन्ध भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
6. दायमा रतन लाल (2013) : कोटा जिले की जनसांख्यिकी का एक दशकीय अध्ययन (1991-2000) अप्रकाशित शोध प्रबन्ध भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
7. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा (2018)
8. जिला जनगणना पुस्तिका-2011

